2019

Roll No.----------------------------

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper	:	2066A
Unique Paper Code	:	62134309
Name of the paper	:	Sanskrit Drama (CBCS)
Name of the Course	:	B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline
Semester	:	III (CBCS)

Duration: 3 Hours

Maximum marks: 75

Instructions for candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(1) खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं दो–दो पद्यों का अनुवाद कीजिए :
Translate any two from Part A and Part B each: 4+4+4+4=16

खण्ड 'अ'

Part-A

(i) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।
भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्।।

(ii) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्याः भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

(iii) अस्मान् साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चैः कुलं चात्मन
स्त्वय्यस्याः कथप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम्।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद् वाच्यं वधूबन्धुभिः।।

(iv) एषापि प्रियेण विना गमयति रजनीं विषाददीर्घतराम्।
गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति।।

खण्ड 'ब'

Part-B

(i) नारीणां पुरुषाणां च निर्मर्यादो यदा ध्वनिः।
सुव्यक्तं प्रभावमीति मूले दैवेन ताडितम्।।

(ii) शरीरेऽरिः प्रहरति हृदये स्वजनस्तथा।
कस्य स्वजनशब्दो मे लज्जामुत्पादयिष्यति।।

(iii) आदर्शे वल्कलानीव किमेते सूर्यरश्मयः।
हसितेन परिज्ञातं कीडेयं नियमस्पृहा ।।

(iv) पितुर्मे नौरसः पुत्रो कमेणाभिषिच्यते।
दयिता भ्रातरो न स्युः प्रकृतीनां न रोचते ।।

(2) खण्ड 'ग' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किसी एक–एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
Explain with reference to the context any one from Part-A and Part-B each: 7+7=14

खण्ड 'अ'
Part-A

(i) अतिस्नेहः पापशङ्की।

(ii) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे
दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा।
इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य
दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि।।

(iii) कोऽन्यो हुतावहाद्दग्धुं प्रभवति।

खण्ड 'ब'
Part-B

(ii) सुलभापराधः परिजनो नाम।

(iii) काले खल्वागता देव्यः पुत्रे मोहमुपागते।
हस्तस्पर्शो हि मातृणामजलस्य जलांजलिः।।

(iii) सर्वशोभनीयं सुरूपं नाम।

(3) प्रश्न संख्या 1 के खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' के रेखांकित पदों में से किन्हीं पाँच पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए। 5
Write grammatical notes on any five of the underlined words in Q. No. 1 (A) and 1 (B)

(4) 'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः' – इस कथन की व्याख्या कीजिए। 8
Explain the statement - 'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः'

अथवा / OR

दुर्वासा के शाप के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।
Discuss the importance of Durvasa Curse.

(5) एक नायक के रूप में राम का चरित्र–चित्रण कीजिए। 8
Sketch the character of Rama as a hero.

अथवा / OR

संस्कृत नाटकार के रूप में भास का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the poet Bhasa Sanskrit drama writer.

(6) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
Write short notes on any two of the following: 2x6=12
(i) भरतवाक्य (ii) विदूषक (iii) आकाशभाषित (iv) प्रस्तावना

(7) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए : 12
श्रीहर्ष, विशाखदत्त, भास, भवभूति
Write short notes on any three of the following:
Shriharsh, Vishakhadutt, Bhasa, Bhavabhuti

अथवा / OR

संस्कृत नाटक के उद्भव एवं विकास की विवेचना कीजिए।
Discuss the origin and development of Sanskrit Drama.